नवभारत
इंदौर, रविवार, 24 मई, 2026

एक नजर में

कलेक्टर मीना ने जल गंगा संवर्धन अभियान में देवीजी सागर तालाब में किया श्रमदान, जनभागीदारी का संदेश

धार। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले के पारंपरिक जल स्त्रोतों, कुओं, बावड़ियों, नदियों और तालाबों के पुनरुद्धार तथा संरक्षण के लिए चलाए जा रहे विशेष जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद, धार द्वारा श्रमदान - लोगों की जनभागीदारी और जल गंगा संवर्धन अभियान% के विशेष बैनरों के साथ जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना ने शनिवार प्रातः स्वयं देवीजी सागर तालाब पहुँचकर फावड़ा थामकर श्रमदान किया। उन्होंने तालाब परिसर की सफाई और गहरीकरण कार्य में श्रम अर्पित करते हुए जिले वासियों को जल संरक्षण में सक्रिय जनभागीदारी निभाने का संदेश दिया। जल स्त्रोतों का संरक्षण केवल शासकीय कार्य नहीं, बल्कि सामाजिक कर्तव्य- कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने कहा कि जल ही जीवन का मुख्य आधार है और गिरते भू-जल स्तर को सुधारने के लिए पारंपरिक जल संरचनाओं को पुनर्जीवित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान की सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब समाज का हर वर्ग इससे जुड़ेगा। यह केवल एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित करने का एक सामूहिक अनुष्ठान है। उन्होंने जिले के सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों से अपील की कि वे अपने आस-पास के जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने और उनके संवर्धन में अपना बहुमूल्य योगदान दें।

जनप्रतिनिधियों और आमजन में दिखा भारी उत्साह- कलेक्टर मीना की इस मुहिम से प्रेरित होकर कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा युवाओं ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी उपस्थित जनों ने उत्साहपूर्वक तालाब के कैचमेंट एरिया की सफाई की, प्लास्टिक कचरा हटाया और मिट्टी उत्खनन के कार्य में हाथ बंटाकर श्रमदान किया। जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सामूहिक प्रयासों से जल संकट से निपटने में बड़ी मदद मिलेगी।

अभियान के तहत जिले भर में गतिविधियां जारी- उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत धार जिले के विभिन्न विकासखंडों और ग्राम पंचायतों में भी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इसके तहत प्राचीन बावड़ियों की सफाई, तालाबों का गहरीकरण, और वर्षा जल संचयन (वाटर हार्वेस्टिंग) प्रणालियों को दुरुस्त करने का कार्य जन सहयोग से किया जा रहा है। अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों की रही उपस्थिति-

इस वृहद श्रमदान कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी कुंवर विश्वनाथसिंह, नगर पालिका स्टाफ, जनप्रतिनिधि सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आशा-उषा और पर्यवेक्षकों की हड़ताल आठवें दिन भी जारी

सरदारपुर । तीन माह से लंबित वेतन और प्रोत्साहन राशि की मांग को लेकर आशा कार्यकर्ता ,उषा, आशा सुपरवाइजरो की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुक्रवार को आठवें दिन भी जारी रही मध्य प्रदेश आशा कार्यकर्ता ,उषा,आशा पर्यवेक्षक संगठन की धार जिला अध्यक्ष संगीता मारु ने बताया कि सरदारपुर सिविल अस्पताल में 12 से 4:00 तक हड़ताल पर बैठे मारु ने बताया कि हमारे जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं ब्लॉक के अधिकारी सभी अधिकारियों का कहना है कि अप्रैल तक का भुगतान पूरा हो गया है परंतु अभी कार्यकर्ताओं के खाते में पेमेंट नहीं आया है आशा उषा आशा पर्यवेक्षक संगठन के इंदौर संभागीय अध्यक्ष शंकरलाल मारु ने बताया की कार्यकर्ताओं के खाते में पेमेंट आ जाएगा उस दिन से अनिश्चितकालीन हड़ताल एवं धरना बंद कर दिया जाएगाऔर मारु ने बताया अभी हड़ताल जारी रहेगी जब तक पूरा भुगतान नहीं हो जाता है तब तक जारी रहेगी,आशा सुपरवाइजर संतोष डामेचा , पदमा चौहान, दीपिका वंदन सिंह, संगीता वसुनिया, आशा भीयोजा , प्रभा लक्ष्मण, आशा कार्यकर्ता संगीता कटारे, सुनीता, ललिता ,अंजलि, शिरोमणि, मीणा ,रीना , भगवंता आशा ,पूजा, स्वाति,प्रीति ,सरिता ,सावित्री ,सोना ,मंजू, राधा ,कांता, रेखा, निर्मला, विद्या, भगवती बामनखेड़ी, रेशम,लाली,सभी आशा कार्यकर्ता आशा सुपरवाइजर नारेबाजी कर रही थी नारे में आशा का शोषण बंद करो बंद करो रघुपति राघव राजा राम आशा पर थोपे सारे काम सरकार कि तानाशाही नहीं चलेगी नहीं चलेगी हम अपना अधिकार मांगते नहीं किसी से भीख मांगते हैं ऐसे नारे बाजी के साथ में 12 से 4:0 धरना प्रदर्शन सिविल अस्पताल सरदारपुर में किया गया अनिश्चितकालीन हड़ताल धरना प्रदर्शन अभी जारी रहेगा

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

इंदौर . गौतमपुरा क्षेत्र में एक 21 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली . मृतक का नाम विजय उम्र 21 साल पिता जगदीश निवासी बाग मोहल्ला, गौतमपुरा बताया गया है . परिजनों ने पुलिस को बताया कि विजय ने शाम को परिवार के साथ खाना खाया और कमरे में सोने चला गया था . सुबह बहन उसे जगाने पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था, आवाज लगाने पर भी उसने दरबाजा नहीं खोला . जब बहन ने खिड़की से देखा तो वह फंदे पर लटका मिला . सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है .

श्री रामचरित मानस के 201 अखंड पाठ की पूर्णाहुति

महू/बेटमा. नगर में पहली बार आयोजित 201 श्री रामचरित मानस अखंड रामायण पाठ का शुक्रवार को हवन, आरती एवं महाप्रसादी के साथ समापन हुआ. मां क्षिप्रा अन्न क्षेत्र समिति मध्य मालवा एवं श्रीराम जानकी गौशाला परिवार के संयुक्त तत्वावधान में बदीपुरा बालाजी मंदिर स्थित गौशाला परिसर में गुरुवार को शुरू हुआ यह दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान दिन-रात अनवरत चला. शुक्रवार दोपहर 12 बजे बाद इसकी पूर्णाहुति हुई. आयोजन के दौरान मंच से हो रहे संगीतमय रामायण पाठ की लय में लय मिलाते हुए श्रद्धालुओं ने 201 रामायण पर सामूहिक पाठ किया.

मनावर में कृषि रथ से किसानों को उन्नत खेती की जानकारी

- ग्राम सीतापुरी, चिरखान, बोरलई और राजुखेड़ी में कृषक संगोष्ठियों का हुआ आयोजन
- KVK वैज्ञानिकों ने दी खरीफ पूर्व गहरी जुताई, बीज उपचार और प्राकृतिक खेती की जानकारी
- ई-विकास प्रणाली से उर्वरक टोकन प्राप्त करने की प्रक्रिया से अवगत कराया

धार। मध्य प्रदेश शासन द्वारा खेती को लाभ का धंधा बनाने एवं किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा कृषि रथ के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

कलेक्टर राजीव रंजन मीना के विशेष निर्देशानुसार उप संचालक, कृषि एवं कल्याण विकास विभाग ज्ञानसिंह मोहनिया के मार्गदर्शन में विकासखंड मनावर में 16 मई 2026 से 10 दिवसीय कृषि रथ का सुचारू संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज ग्राम सीतापुरी, चिरखान, बोरलई एवं राजुखेड़ी में कृषि रथ के माध्यम से विशेष कृषक संगोष्ठियों का सफल आयोजन किया गया। कृषक संगोष्ठी में कृषि विज्ञान केंद्र मनावर के वैज्ञानिक डॉ. ए.एस. बसेडिया द्वारा उपस्थित कृषकों को आगामी खरीफ मौसम की पूर्व तैयारियों के संबंध में विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। उन्होंने खरीफ की मुख्य फसलों— सोयाबीन, मक्का और कपास की उन्नत किस्मों के चयन, समय पर बुवाई, अनिवार्य बीज उपचार तथा संतुलित उर्वरक प्रबंधन के बारे में अवगत कराया। डॉ. बसेडिया ने फसलों में रोग एवं कीट प्रबंधन हेतु समन्वित उपायों की जानकारी देते हुए किसानों को प्रारंभिक अवस्था में ही नियंत्रण के उपाय अपनाने की सलाह दी।

प्राकृतिक खेती अपनाने और मिट्टी परीक्षण की अपील-

अभियान के दौरान रथ के माध्यम से किसानों को रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले आर्थिक व पर्यावरणीय दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए जीवामृत, घनजीवामृत, जैविक खाद एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग हेतु प्रेरित किया गया। संगोष्ठी में मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों को अनिवार्य रूप से मिट्टी परीक्षण करवाकर अनुशंसित मात्रा में ही उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी गई, जिससे उत्पादन लागत कम हो सके। साथ ही, खरीफ पूर्व गहरी जुताई से होने वाले लाभों जैसे—नमी संरक्षण, खरपतवार नियंत्रण और कीटों के अंडों/लार्वा के नष्ट होने के बारे में बताया गया।

> **ई-विकास प्रणाली-अंतर्विभागीय योजनाओं की दी जानकारी**
>
> कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी महेश बर्मन ने किसानों को डिजिटल तकनीक से जोड़ते हुए ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण और ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सरल प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने किसानों से विभागीय योजनाओं का त्वरित लाभ लेने हेतु ई-विकास पोर्टल का उपयोग करने का आह्वान किया। इस अवसर पर कृषि विभाग के साथ-साथ उद्यानिकी, पशुपालन, राजस्व एवं सहकारिता विभाग के मैदानी अधिकारियों ने भी अपने-अपने विभागों की कल्याणकारी योजनाओं और अनुदानों की जानकारी साझा की।कार्यक्रम के अंतिम चरण में उपस्थित कृषकों द्वारा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं पर सीधी चर्चा की गई, जिनका मौके पर ही उपस्थित कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी समाधान किया गया। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में स्थानीय प्रगतिशील किसान व विभागीय कर्मचारी उपस्थित थे। अंत में उपस्थित समस्त कृषक बंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

किसानों की समस्याओं को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

सरदारपुर। भारतीय किसान संघ, जिला धार द्वारा शुक्रवार को किसानों और ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सरदारपुर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में विशेष रूप से सरदारपुर तहसील क्षेत्र में चल रही नर्मदा परियोजना के कार्यों में तेजी लाने की मांग उठाई गई।

किसान संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में नर्मदा लिंक परियोजना का कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है, जिससे ग्रामीणों और किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में कई गांवों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद परियोजना के कार्य समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं।

संघ ने ज्ञापन में बताया कि तहसील के कई क्षेत्रों में अभी तक पाइपलाइन नहीं बिछाई गई है, जबकि कई गांवों को योजना से जोड़ने का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। ऐसे में ग्रामीणों को नर्मदा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। किसान संघ ने मांग की कि जिन गांवों में पाइपलाइन का कार्य लंबित है, वहां जल्द से जल्द पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा किया जाए और जो गांव इस योजना से छूट गए हैं उन्हें भी योजना के अंतर्गत शामिल किया जाए।इसके साथ ही कई स्थानों पर चैंबर निर्माण का कार्य भी अधूरा पड़ा होने की बात कही गई। संघ ने मांग की कि चैंबर निर्माण और अन्य अधूरे कार्यों को प्राथमिकता के साथ जल्द पूरा कराया जाए ताकि लोगों को पानी की समस्या से राहत मिल सके।

किसान संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि समय रहते नर्मदा परियोजना के कार्यों में गति नहीं लाई गई तो आने वाले समय में ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को निर्देश देकर कार्य में तेजी लाई जाए।ज्ञापन सौंपने के दौरान भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो किसान आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

बीमार भाई से मिलने इंदौर आए शिक्षक की हार्ट अटैक से मौत

नव भारत न्यूज

इंदौर. खंडवा जिले के पुनासा में कार्यरत एक शिक्षक की इंदौर में अपने बेटे के घर पर अचानक हार्ट अटैक आने से मौत हो गई. शिक्षक अपने बीमार छोटे भाई की तबीयत देखने और उनसे मिलने के लिए इंदौर आए थे.

मृतक अशोक पिता मोतीलाल उम्र 56 साल निवासी पुनासा जिला खंडवा पेशे से शिक्षक थे. इंदौर के भंडारी अस्पताल में उनके छोटे भाई गंभीर बीमारी के चलते भर्ती हैं. भाई के अस्पताल में भर्ती होने की सूचना मिलने के बाद अशोक उनकी देखरेख और मुलाकात के लिए खंडवा से इंदौर आए थे. अस्पताल में भाई से मिलने के बाद शिक्षक अशोक कुमार इंदौर के स्कीम नंबर 134, खजराना स्थित अपने बेटे के निवास पर रुके हुए थे. इसी दौरान अचानक उनके सीने में तेज दर्द उठा और तबीयत बिगड़ने लगी. परिजन जब तक उन्हें संभालते और चिकित्सीय सहायता मुहैया कराते, उन्हें साइलेंट हार्ट अटैक आ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना की सूचना मिलने पर खजराना थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है.

कुक्षी के देवांश शर्मा ने बढ़ाया मान, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय गुवाहटी में किया टॉप

कुक्षी। समीपस्थ ग्राम लोणी के प्रतिभावान छात्र देवांश शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड उज्जैन, म.प्र.के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहटी से अध्ययन करते हुए देवांश ने यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देवांश ने वर्ष 2025-26 की बोर्ड परीक्षा कक्षा 10वीं और अथर्ववेद शौनक शाखा में 94.6 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं। इस बेहतरीन प्रदर्शन के साथ उन्होंने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। देवांश ग्राम लोणी निवासी पंडित मनीष शर्मा के सुपुत्र हैं।देवांश की इस ऐतिहासिक राष्ट्रीय उपलब्धि पर ग्राम लोणी सहित पूरे कुक्षी क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

विनायक निगवाल का 'शंकर शाह पुरस्कार' के लिए चयन

- अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनकर अनसुलझे रहस्यों को खोजना है लक्ष्य

बाग। परिंदों को मंजिल मिलेगी यकीनन, ये फैले हुए उनके पर बोलते हैं। वो लोग रहते हैं खामोश अक्सर, जमाने में जिनके हुनर बोलते हैं। इन पंक्तियों को सच कर दिखाया है धार जिले के जनजातीय अंचल बाग के होनहार छात्र विनायक राजाराम निगवाल ने। सिटी कॉन्वेंट हाई स्कूल, बाग के इस मेधावी छात्र ने कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा के गणित (मैथ्स) संकाय में 500 में से 472 अंक (94.40 फीसदी) लाकर अनुसूचित जनजाति (स्ञ्ज) वर्ग में पूरे धार जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

ऐतिहासिक गौरव के लिए मध्य प्रदेश शासन विनायक को प्रतिष्ठित शंकरशाह पुरस्कार और 51,000 रुपये की सम्मान राशि से सम्मानित करेंगी।

विनायक की इस स्वर्णिम सफलता से पूरे आदिवासी समाज में हर्षोल्लास का माहौल है। समाज के बुद्धिजीवियों , जनप्रतिनिधियों और युवाओं का कहना है कि विनायक ने सुदूर ग्रामीण अंचल की सीमाओं को तोड़कर साबित कर दिया कि जनजातीय समाज की प्रतिभाएं किसी से कम नहीं हैं। विनायक आज सिर्फ एक छात्र नहीं, बल्कि समूचे आदिवासी समाज के युवाओं के लिए एक जीवंत प्रेरणा बन चुके हैं। उनकी यह उड़ान अब समाज के सैकड़ों बच्चों को शिक्षा के मार्ग पर आगे बढ़ने का हौसला देगी। विनायक की सोच और सपनें उनके अंकों से भी ज्यादा ऊंचे और सम्मानीय हैं। वे महज एक नौकरी पाने के लिए नहीं, बल्कि इतिहास रचने के लिए पढ़ रहे हैं। विनायक का लक्ष्य अब देश की सबसे प्रतिष्ठित छ्वश्व परीक्षा को क्रैक करना है। वे आगे चलकर एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना चाहते हैं और उनका अंतिम सपना एक एस्ट्रोनॉट (अंतरिक्ष यात्री) बनकर अंतरिक्ष के उन अनसुलझे रहस्यों को खोजना है, जिससे आज तक दुनिया अनजान है।

> **टीचरों का कुशल मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत बनी विनायक की सफलता का आधार**
>
> विनायक ने अपनी इस असाधारण सफलता का पूरा श्रेय सिटी कॉन्वेंट हाई स्कूल के मार्गदर्शक व संचालक विष्णु जायसवाल और राजेश जायसवाल को दिया है। विनायक और उनके पिता राजाराम निगवाल ने स्कूल की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि सिटी कॉन्वेंट हाई स्कूल का अनुशासित व उच्च स्तरीय शैक्षणिक माहौल और संचालक विष्णु जायसवाल एवं श्री राजेश जायसवाल की निरंतर प्रेरणा और उनके कठोर परीश्रम ही इस सफलता की असली चाबी है। उन्होंने हर कदम पर एक अभिभावक की तरह संबल दिया। अगर इस बेहतरीन शिक्षण संस्थान और इसके कर्मठ शिक्षकों का मार्गदर्शन नहीं मिलता, तो विनायक के लिए इस कठिन मुकाम को छू पाना असंभव था।विनायक की इस ऐतिहासिक सफलता पर ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर डी. एस. बघेल साहब ने छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई दी। इसके साथ ही स्कूल के प्राचार्य एस. थियानेश्वरन, शिक्षिका सोनाली माने, सोनिका उपाध्याय, निशा सोनी और शिक्षक आदित्य जायसवाल सहित समस्त स्कूल स्टाफ ने विनायक को मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके इस प्रयास को क्षेत्र के लिए मील का पत्थर बताया।

एक नजर में

कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिया मृदा परीक्षण पर जोर

किसानों को ई-टोकन प्रणाली की जानकारी दें अधिकारी : मीना

बीज और खाद के भंडारण के साथ वितरण के संबंध में दिए दिशा निर्देश

धार । कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने कृषि एवं कृषि से संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक आज कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में ली गई । इसमें कलेक्टर राजीव रंजन मीना द्वारा विभागवार क्रियान्वयन योजनाओं के संबंध में जानकारी ली गई।

कृषि एवं कल्याण विकास विभाग उपसंचालक ज्ञानसिंह मोहनिया ने कृषि जलवायु क्षेत्र, आधारभूत जानकारी सहित विभागीय गतिविधियों की जानकारी प्रदान की । ई विकास प्रणाली के तहत उर्वरक प्राप्त करने हेतु ई टोकन का डेमोंस्ट्रेशन दिया गया। पंजीयन की स्थिति की समीक्षा कर निरस्त होने वाले कारणों की जानकारी ली गई। उन्होंने कृषि रथ संचालन की जानकारी ली व कहा कि कृषि एवं कृषि से संबंधित विभागों (कृषि अभियांत्रिकी, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन व सहकारिता) की गतिविधियों और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सीधे किसानों तक पहुंचाया जाए। यात्रा के दौरान कृषि वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें नवीन तकनीकों की जानकारी दी जाए। ताकि नवीन व उन्नत वैज्ञानिक तकनीकों, नवाचारों और कृषि के मुख्य आधार स्तंभों की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाई जा सके।

कृषि रथ के माध्यम से भ्रमण के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक किसान के लिए समय पर और पारदर्शी उर्वरक पहुंच सुनिश्चित करने हेतु ई-विकास प्रणाली के माध्यम से नवीन उर्वरक वितरण व्यवस्था (ई-टोकन) का प्रचार किया जाए। इसके तहत मैदानी स्तर पर व्यापक स्तर पर कार्य कर शेष सभी किसानों को एग्रीस्टेक पोर्टल पर ऑनबोर्ड/जोड़ा जाएगा, जिससे उनके धारित रकबे के अनुसार खाद की उपलब्धता सुगम हो सके। रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग को रोकने और जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि क्षेत्रों के विस्तार पर विशेष जोर दिया । एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन और पराली (फसल अवशेष) का उचित निपटान के साथ ही मृदा स्वास्थ्य कार्ड (स्थ्रद्ब ॥द्दड्डद्यह्लद्ध ष्टड्डह्न्स्र) योजना का प्रचार-प्रसार कर किसानों को मिट्टी की जांच के आधार पर ही पोषक तत्व प्रबंधन की सलाह दी जा रही है ताकि अनावश्यक खर्च से बचा जा सके। मृदा परीक्षण पर विशेष जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को नमूने लिए जाने के निर्देश दिए। खरीफ सीजन से पूर्व कृषि अभियांत्रिकी द्वारा खेतों का समतलीकरण और फसल विविधिकरण को बढ़ावा दिया जाए। कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, विभागीय कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ।कलेक्टर ने बीज एवं खाद के भंडारण तथा वितरण के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही किसानों को खेती-किसानी में सहूलियत प्रदान करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

> बैठक में खरीफ वर्ष 2026-27 क्षेत्राच्छादन, समितिवार बीज व खाद भंडार, वितरण एवं बचत, मिट्टी परीक्षण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आधार सीडिंग, भूमि सीडिंग, पी.एम. किसान वन पट्टाधारी कृषक, नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना क्रियान्वयन, आत्मा योजनांतर्गत मूंगफली फसल इत्यादि की जानकारी ली गई।बैठक में जिला कृषि कार्यालय, आत्मा, मत्स्य विभाग, पशुपालन विभाग, गव्य विकास विभाग तथा भूमि संरक्षण विभाग की ओर से संचालित योजनाओं एवं प्रगति कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कृषि विभाग एवं आत्मा कार्यालय के कार्यों की समीक्षा करते हुए किसानों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने, कृषि आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देन, विभागीय योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन करने का निर्देश दिया।